पाठ - ३ पहली बूँद

कवि का नाम - गोपाल कृष्ण कौल

वह पावस का प्रथम दिवस जब, पहली बूँद धरा पर आई।
अंकुर फूट पड़ा धरती से, नव-जीवन की ले अँगड़ाई।
धरती के सूखे अधरों पर, गिरी बूँद अमृत-सी आकर।
वसुंधरा की रोमावलि-सी, हरी दूब पुलकी-मुसकाई।
पहली बूँद धरा पर आई।।

शब्दार्थ : पावस-वर्षा ऋतु धरा – धरती

अंकुर – बीज का फूटना प्रारंभिक स्वरूप

नव – नया अँगड़ाई – शरीर का तानना

अधर – होंठ वसुंधरा – धरती

दूब – हरी घास पुलकी – जिसे रोमांच हुआ हो।

प्रसंग : यह पंक्तियाँ हमारी पाठय पुस्तक मल्हार भाग - १ के पहली बंध कविता से लिया गया है। इस कविता के रचियता गोपाल कृष्ण कौल है। वर्षा ऋतु के आगमन का सुंदर चित्र प्रस्तुत करती हैं।

व्याख्या : कवि कहता है कि वर्षा ऋतु के पहले दिन जब बारिश की पहली बूँद धरती पर गिरी, तब ऐसा लगा मानो प्रकृति में नया जीवन जाग उठा हो। सूखी धरती पर जैसे ही वर्षा की बूँदें पड़ीं, बीजों से अंकुर फूटने लगे और धरती नवजीवन से भर उठी। कवि ने धरती को एक जीवित प्राणी के रूप में चित्रित करते हुए कहा है कि उसके सूखे होंठों पर अमृत के समान वर्षा की बूँद गिरी। इससे धरती प्रसन्न हो उठी। धरती पर उगी हुई हरी-हरी दूब उसकी रोमावली (शरीर के रोम) के समान दिखाई देती है, जो खुशी से पुलकित होकर मुस्कुरा रही है। इस प्रकार पहली वर्षा की बूँद सम्पूर्ण प्रकृति में आनंद, ताजगी और नवजीवन का संचार कर देती है।

आसमान में उड़ता सागर, लगा बिजलियों के स्वर्णिम पर।
बजा नगाड़े जगा रहे हैं, बादल धरती की तरुणाई।
पहली बूँद धरा पर आई।।

नीले नयनों-सा यह अंबर, काली पुतली-से ये जलधर।
करुणा-विगलित अश्रु बहाकर, धरती की चिर-प्यास बुझाई।
बूढ़ी धरती शस्य-श्यामला बनने को फिर से ललचाई।
पहली बूँद धरा पर आई।।

शब्दार्थ : स्वर्णिम – सुनहरे पर – पंख

नगाड़े – एक प्रकार का वाद्ययंत्र, डंका तरुणाई – यौवनता

जलधर-बादल करुणा – विगलित- दुखों से दुखित होकर, पिघली हुई

चिर-प्यास – बहुत दिनों की प्यास शस्य – श्यामला – हरी-भरी

प्रसंग : यह पंक्तियाँ हमारी पाठय पुस्तक मल्हार भाग - १ के पहली बंध कविता से लिया गया है। इस कविता के रचियता गोपाल कृष्ण कौल है। कवि ने बादलों, बिजली और वर्षा की बूँदों के माध्यम से प्रकृति में आने वाले नवजीवन तथा उल्लास का चित्रण किया है।

व्याख्या : कवि कहता है कि वर्षा ऋतु के आगमन पर आकाश में बादल ऐसे दिखाई देते हैं मानो सागर ही उड़कर आकाश में पहुँच गया हो। बिजली की चमक बादलों को स्वर्णिम पंखों से युक्त बना देती है। बादलों की गर्जना नगाड़ों की ध्वनि जैसी प्रतीत होती है, जो धरती की सोई हुई तरुणाई और उत्साह को जगा रही है। पहली वर्षा की बूँद के गिरते ही प्रकृति में नया जीवन जाग उठता है।

आगे कवि आकाश की तुलना नीली आँखों से तथा काले बादलों की तुलना उनकी पुतलियों से करता है। बादल दया और करुणा से पिघलकर आँसुओं के रूप में वर्षा जल बरसाते हैं। यह वर्षा लंबे समय से प्यास से व्याकुल धरती की प्यास बुझा देती है। सूखी और बूढ़ी प्रतीत होने वाली धरती फिर से हरी-भरी फसलों से लहलहाने के लिए उत्सुक हो उठती है। पहली वर्षा की बूँद धरती में नई आशा, ऊर्जा और जीवन का संचार कर देती है।

लघु उत्तर

प्रश्न 1. पहली वर्षा की बूँद धरती पर गिरते ही क्या हुआ?
उत्तर: धरती से अंकुर फूट पड़े और प्रकृति में नवजीवन का संचार हुआ।

प्रश्न 2.धरती के सूखे होंठों पर बारिश की बूँद किसके समान गिरी?
उत्तर: धरती के सूखे होंठों पर बारिश की बूँद अमृत के समान गिरी।

प्रश्न 3. वर्षा का प्रेम पाकर धरती के मन में क्या इच्छा जाग उठी है?
उत्तर: वर्षा का प्रेम पाकर धरती के मन में फिर से हरा-भरा होने की इच्छा जाग उठी है।

दीर्घ उत्तर

प्रश्न 1. कवि ने वर्षा ऋतु के सौंदर्य का चित्रण कैसे किया है?

उत्तर: कवि ने वर्षा ऋतु के आगमन पर बादलों, बिजली, वर्षा की बूँदों और हरी-भरी धरती का सुंदर चित्रण किया है। बादलों को उड़ते हुए सागर तथा उनकी गर्जना को नगाड़ों के समान बताया है। वर्षा की बूँदों से धरती की प्यास बुझ जाती है और वह पुनः शस्य-श्यामला बन जाती है।

प्रश्न 2.धरती को 'बूढ़ी' कहने का क्या तात्पर्य है?
उत्तर: जिस प्रकार बुढ़ापे में आदमी सुस्त पड़ जाता है और उसमें उत्साह भी नहीं रहता। ठीक उसी प्रकार धरती भी खूब गर्मी की वजह से सूखी पड़ जाती है। इसलिए धरती को 'बूढ़ी' कहके संबोधित किया गया है।

क्षमता निर्माण

प्रश्न 1. प्रकृति के प्रति हमारा क्या कर्तव्य है?

उत्तर: हमें पेड़ लगाना चाहिए, जल बचाना चाहिए तथा पर्यावरण को स्वच्छ रखना चाहिए।

प्रश्न 2 निर्देश: नीचे दिए गए कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर सही विकल्प चुनिए।

विकल्प :

- **(क)** A और R दोनों सत्य हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
- **(ख)** A और R दोनों सत्य हैं, परंतु R, A की सही व्याख्या नहीं करता।
- **(ग)** A सत्य है, परंतु R असत्य है।
- **(घ)** A असत्य है, परंतु R सत्य है।

1. कथन (A): पहली वर्षा की बूँद गिरते ही धरती पर अंकुर फूट पड़े।
कारण (R): वर्षा की बूँदों से बीजों को अंकुरित होने के लिए नमी मिलती है।

उत्तर: (क) A और R दोनों सत्य हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।

2. कथन (A): कवि ने वर्षा की बूँद को अमृत-सी कहा है।
कारण (R): वर्षा की बूँद धरती में नया जीवन और ताजगी लाती है।

उत्तर: (क) A और R दोनों सत्य हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।